नेता प्रतिपक्ष सिंगार और अध्यक्ष पटवारी भागीरथपुरा पहुंचे

▶ मृतकों के घर जाकर संवेदना व्यक्त की, दूषित पानी की जानकारी ली

नव भारत न्यूज

इंदौर. प्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने भागीरथपुरा का दौरा किया. इस दौरान भागीरथपुरा में दूषित पानी से मौत और बीमार होने पर पीड़ितों के घर जाकर संवेदना व्यक्त की. साथ ही नगर निगम द्वारा दूषित पानी सप्लाई होने की घटना एवं जानकारी ली.

आज दोपहर में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंगार, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा और विधायक सचिन यादव ने भागीरथपुरा का दौरा किया. इस दौरान नेताद्वय भागीरथपुरा में मृतक अशोक पंवार, गीता बाई बेडेकर के घर शोक संवेदना व्यक्त करने पहुंचे. बताया जा रहा है कि प्रशासन ने 5 लोगों की अनुमति दी थी और तीन-चार घर ज्यादा मिलने भी मनाही की थी. कांग्रेस नेता दोपहर 1.30 बजे भागीरथपुरा पहुंचे थे. आज पुलिस ने रस्से से नेताओं की सुरक्षा के व्यवथा की थी. परिजन से मिलने पहुंचे कांग्रेस नेताओं की पुलिस अधिकारियों से बहस हो गई. बाद में दूसरे रास्ते से कांग्रेसी अंदर पहुंचे. खास बात यह रही कि आज किसी भाजपा नेता या कार्यकर्ता ने विरोध नहीं किया. आज भागीरथपुरा में नेताओं ने मृतक के परिजनों से मुलाकात कर शोक संवेदना व्यक्त की. साथ ही क्षेत्र में घटना को लेकर दूषित पानी पीने और कब से आ रहा, शिकायत और अन्य जानकारी ली. इसके बाद सभी कांग्रेस नेता अस्पताल में पीड़ितों को देखने निकल गए. दौरे के दौरान नेताओं के साथ एआईसीसी प्रभारी उषा नायडू, शहर अध्यक्ष चिंटू चौकसे, जिला अध्यक्ष विपिन वानखेड़े, पार्षद सीमा सोलंकी सहित बड़ी संख्या में क्षेत्र के रहवासी मौजूद थे. रहवासियों ने संक्रमित पानी की खुलकर जानकारी दी.

रहवासी संघ अपने क्षेत्र में पानी का ऑडिट करा लें

नेता प्रतिपक्ष ने की जनता से अपील-इंदौर के रहवासी संघों, कॉलोनियों और मोहल्लों के लोगों को अपने अपने क्षेत्र में पानी का ऑडिट करना चाहिए. यदि जनता ने पानी का ऑडिट करा लिया तो नगर निगम की पोल खुल जाएगी कि किस तरह से भ्रष्टाचार किया जा रहा है. आज शहर में मल वाले पानी के बैक्टेरिया से कई घरों के चिराग बुझ गए है. मंत्री घंटा दिखा रहे हैं और नगर निगम में करोड़ों के भ्रष्टाचार किया जा रहा है. शहर की स्थिति यह है कि सड़क खोदो, टेंडर लगाओ और भ्रष्टाचार करो. इंदौर में यहीं चल रहा है. इंदौर की जनता चुप क्यों है? यह बात प्रदेश विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंगार ने आज पत्रकारों से भागीरथपुरा के घटना को लेकर कही. आज प्रदेश के नेता प्रतिपक्ष ने भागीरथपुरा घटना को लेकर पत्रकारों से बातचीत की. उन्होंने कहा कि भागीरथपुरा में कई घरों के चिराग बुझ गए हैं, अफसोस है कि ऐसे नए साल की शुरुआत हुई है. इंदौर व्यवसायिक राजधानी के रूप में प्रसिद्ध है, लेकिन आज पूरे देश में मल वाले पानी सप्लाई को लेकर इंदौर पर कलंक लग गया है. सरकार सो रही है और तानाशाही कर लोगों के आवाज दबाने का कार्य कर रही हैं. प्रदेश के नगरीय प्रशासन मंत्री घंटा घंटा कर रहे है. उनके इतने गंदे बोल पर भी मुख्यमंत्री द्वारा इस्तीफा नहीं लेना समझ से परे है. महापौर, पार्षद का भी इस्तीफा सरकार को लेना चाहिए, यह हमारी मांग है. सिंगार ने कहा कि 8 बार स्वच्छता का पुरस्कार मिला है और अधिकारी कैसे पुरस्कार ला रहे है, आपको पता है इंदौर का पानी स्वच्छ होता तो घटना नहीं घटती. यही स्थिति इंदौर में यातायात को लेकर है. इंदौर में नगर निगम का एक ही काम है कि सड़क खोदो, नए टेंडर लगाओ और भ्रष्टाचार करो.

जनता चुप क्यों है?

सिंगार ने सवाल किया कि इंदौर की जनता चुप क्यों है? भाजपा तानाशाही कर रही हैं. 125 करोड़ फर्जी बिल का घोटाला हो गया और 150 करोड़ का ड्रेनेज घोटाला, जिसमें 24 घंटे 5 किलोमीटर लाइन डाल दी. ऐसे कैसे 24 घंटे में इतनी लंबी लाइन डाल गई? एमवाय में बच्चों को चूहे कुतर जाते है और उनकी मौत हो जाती है. छिंदवाड़ा में भी बच्चों को सिरप से मौत हो जाती है, लेकिन किसी के जिम्मेदारी तय कर और जांच नहीं हो रही है. इंदौर भाजपा की नगर निगम किस तरह से भ्रष्टाचार कर रही है, इसका उदाहरण है कि पार्षदों के करोड़ों के बंगले बन रहे और उसमें स्विमिंग पुल बन रहे है. सिंगार ने स्वच्छता पर सवाल किया कि शहर का 8 हजार करोड़ खर्च कर दिया गया है, लेकिन एमवाय की रिपोर्ट में जनता को मल वाला पानी पिलाया जा रहा है. भागीरथपुरा में भाजपा की नगर निगम मल वाला पानी सप्लाई कर रही है. आज शहर के बुद्धिजीवी वर्ग में विचारों की शून्यता आ गई है. शहर का पर्यावरण बिगड़ गया है. एयर क्वालिटी इंडेक्स 350 से उपर तक चला जाता है. यह हालत है इंदौर की। इंदौर के जनता ने भाजपा को भरपूर सहयोग दिया.

अधिकारियों पर अंकुश क्यों नहीं? सिंगार न बताया कि भागीरथपुरा में पानी लाइन के टेंडर नगर निगम में 2022 के संकल्प 106 में उसके बाद एमआईसी को 30 जनवरी 23 को भेज दिया गया। टेंडर 30 जुलाई को जारी हो गया था, इसके बावजूद पांच महीने से क्यों नहीं खोला गया? रहवासियों ने बताया कि कई दिनों से शिकायत कर रहे हैं है, पानी गंदा आ रहा है, पानी में बास आ रही है। इसके बाद भी सरकार ने पूरी तरह नाकाबंदी कर घटना को दबाया. अधिकारी तब बेलगाम होते है, नेताओं का दबाव नहीं रहता है. भाजपा का अधिकारियों पर अंकुश नहीं है। भाजपा अधिकारियों लगाम नहीं लगा पा रही है.

मृतकों को कैंडल मार्च निकालकर दी श्रद्धांजलि

▶ मंत्री- महापौर के इस्तीफे की मांग

नव भारत न्यूज

इंदौर. शहर कांग्रेस ने आज शहर के 85 स्थानों भागीरथपुरा में जहरीले पानी से जान गंवाने वाले नागरिकों को श्रद्धांजलि दी. शहर के हर वार्ड में कैंडल मार्च निकालकर शोक सभा का आयोजन हुआ. साथ ही नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय एवं महापौर पुष्यमित्र भार्गव के इस्तीफे की मांग भी की गई.

आज प्रदेश और शहर कांग्रेस के आह्वान पर भागीरथपुरा में जहरीला पानी पीने से 17 लोगों की मौत को लेकर कैंडल मार्च निकालकर श्रद्धांजलि दी गई. शहर के सभी 85 वार्डो से कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता हाथों में मोमबत्ती जलाकर विभिन्न चौराहों पर पहुंचे और श्रद्धांजलि दी. शहर कांग्रेस अध्यक्ष चिंटू चौकसे ने बताया कि शहर के सभी क्षेत्रों में पहली बार किसी घटना को लेकर इतने बड़े स्तर पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई है. कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं द्वारा अलग-अलग इलाकों में भागीरथपुरा के मृतकों श्रद्धांजलि दी गई है. नेताओं ने श्रद्धांजलि देने से पहले मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, महापौर के खिलाफ जमकर नारेबाजी कर इस्तीफे की मांग की. साथ ही नगर निगम भंग करने और दोषियों को फांसी देने की मांग की. कैंडल मार्च में कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता भागीरथपुरा के मृतकों को न्याय देने की मांग कर रहे थे. मृतकों को 1 करोड़ रुपए का हर परिवार को सरकार से मुआवजा देने की भी मांग की गई.

जमकर नारेबाजी की

पलसीकर कॉलोनी से हेमू कालानी चौराहे तक सज्जन वर्मा के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कैंडल मार्च निकाला. हेमू कालानी चौराहे पर कांग्रेसियों ने जमकर नारेबाजी की. इस दौरान प्रदेश प्रवक्ता राजेश चौकसे, मनोहर धवन, अमीर खोकर, शैलेंद्र द्विवेदी, महेंद्र रघुवंशी, मुन्ना जाधाव, पवन वर्मा, अजय वर्मा, जगदीश शर्मा, गुरजोत सिंह गिल, देवेंद्र यादव, राजेश तिवारी, अभय वर्मा, सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद थे.

तत्काल शुद्ध पानी और मुफ्त इलाज के दिए निर्देश

नव भारत न्यूज

इंदौर. भागीरथपुरा में दूषित पेयजल से हुई जनहानि को लेकर हाईकोर्ट ने कड़ा रुख अपनाते हुए इसे जनस्वास्थ्य आपात स्थिति करार दिया है. कोर्ट ने स्वच्छ पेयजल को संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत नागरिकों का मौलिक अधिकार बताया और दोषी अधिकारियों पर सिविल व क्रिमिनल कार्रवाई, मुआवजा और जवाबदेही तय करने के संकेत दिए हैं.

मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर बेंच में मंगलवार को भागीरथपुरा (वार्ड 11) सहित शहर के अन्य क्षेत्रों में दूषित पानी की आपूर्ति से जुड़े मामलों पर एक साथ सुनवाई हुई याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अजय बगड़िया ने दलील दी कि मेयर इन काउंसिल ने वर्ष 2022 में नई पेयजल पाइपलाइन बिछाने का निर्णय लिया था, लेकिन नगर निगम के दोषी अधिकारियों द्वारा फंड जारी नहीं करने से काम अटका रहा. उन्होंने यह भी बताया कि वर्ष 2017-18 में इंदौर के विभिन्न क्षेत्रों से लिए गए 60 जल नमूनों में से 59 पेय योग्य नहीं पाए गए थे, इसके बावजूद कोई ठोस सुधारात्मक कदम नहीं उठाया. हाईकोर्ट ने निर्देश दिए कि प्रभावित क्षेत्रों में सरकारी खर्च पर टैंकर या पैकेज्ड पानी से तत्काल सुरक्षित पेयजल की आपूर्ति की जाए, दूषित जल स्रोतों को बंद किया जाए, स्वास्थ्य शिविर लगें और सरकारी व सूचीबद्ध निजी अस्पतालों में नि:शुल्क इलाज उपलब्ध कराया जाए. साथ ही एनएबीएल मान्यता प्राप्त लैब से जल गुणवत्ता जांच, पाइपलाइनों की मरम्मत, क्लोरीनेशन और ऑनलाइन मॉनिटरिंग सिस्टम लगाने के भी आदेश दिए.

कलेक्टर ने क्षेत्र का भ्रमण कर लिया स्थिति का जायजा

▶ रिंग सर्वे, लाइन लीकेज सुधार एवं टैंकर से जल वितरण की सतत निगरानी

इंदौर. कलेक्टर शिवम वर्मा एवं नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल ने मंगलवार प्रात: भागीरथपुरा क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण कर स्थिति का जायजा लिया. निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त, बीट प्रभारी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे.

कलेक्टर ने बताया कि रिंग सर्वे के तहत क्षेत्र में निरंतर कार्रवाई जारी है. प्रभावित क्षेत्रों से नियमित सैंपल कलेक्शन कर उनकी मॉनिटरिंग की जा रही है. नागरिकों को पानी उबालकर एवं छानकर पीने के लिए लगातार समझाइश दी जा रही है. साथ ही, क्षेत्र में टैंकरों के माध्यम से सतत स्वच्छ जल वितरण सुनिश्चित किया जा रहा है. उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार प्रभावित नागरिकों का समुचित उपचार नि:शुल्क किया जा रहा है. इस कार्य में जिला प्रशासन, नगर निगम एवं स्वास्थ्य विभाग की टीमें समन्वय के साथ लगातार सक्रिय हैं.

गुणवत्ता बनाए रखने के निर्देश

निरीक्षण के दौरान पेयजल टैंकरों से हो रहे जल वितरण का अवलोकन किया गया तथा लाइन लीकेज सुधार कार्यों की गुणवत्ता बनाए रखने के निर्देश दिए गए. नगर निगम द्वारा गठित 32 बीटों के माध्यम से भागीरथपुरा क्षेत्र के प्रत्येक हिस्से में दूषित जल पर नियंत्रण, स्वच्छ पेयजल आपूर्ति तथा व्यापक सफाई अभियान की नियमित समीक्षा की जा रही है. अधिकारियों को कार्यों में तेजी और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए. प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें और किसी भी समस्या की सूचना तत्काल संबंधित अधिकारियों को दें.

एक नजर में ▶ दूषित और व्यर्थ बहते पानी की समस्या की शिकायत करने के बावजूद नहीं होती कोई कार्रवाई

नगर निगम की पानी को लेकर लापरवाही नागरिकों की चिंता का विषय

इंदौर. नगर निगम की पानी को लेकर लापरवाही, खासकर दूषित और व्यर्थ बहते पानी की समस्या, नागरिकों के लिए चिंता का विषय है, जहां शिकायतें होने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं होती, जिससे स्थानीय लोग गंदा पानी पीने को मजबूर हैं और पानी की बर्बादी भी हो रही है, जैसा कि भागीरथपुरा क्षेत्र में दूषित पाइपलाइन के कारण सामने आया है, जो कई सालों से समस्या का कारण है और इससे लोग बीमार भी पड़ रहे हैं.

मामला वार्ड नंबर 40 से जुड़ा हुआ है. यह वार्ड काफी बड़ा है, जिसके आखिरी छोर खजराना के पीछे वाले क्षेत्र में कर्बला के पीछे विष्णुधाम कॉलोनी वसी हुई है. यहां पानी को लेकर काफी परेशानी देखने को मिली है. अभी तक तो यहां नर्मदा लाइन नहीं पहुंच पाई है, लेकिन सरकारी बोरिंग से लोगों को पानी की सुविधा मिलती है. क्षेत्र में नगर निगम द्वारा पानी की काली टंकी रखी गई थी, जिसको प्रतिदिन बोरिंग द्वारा भरा जाता था और उसके नल से लोग पानी भरते थे. सालों पुरानी यह टंकी जर्जर हालत में पहुंच चुकी थी. जगह-जगह से लीकेज हो रहा था, पानी ढुल रहा था. कभी भी टंकी गिरने से बड़ा हादसा होने का डर बना रहता था. इस जर्जर टंकी की स्थिति बयां करते हुए पांच महीने पहले 'नवभारत' ने खबर प्रकाशित की थी, इसके तीन दिन पश्चात ही विधायक महेंद्र हार्डिया द्वारा नई पानी की काली टंकी रखवा दी गई थी, लेकिन तब से लेकर अब तक इस नई टंकी में कनेक्शन नहीं जोड़ा गया. लोगों को जर्जर पुरानी टंकी से ही पानी मिल रहा है, इससे जितना पानी लोगों को मिलता है, उससे ज्यादा पानी टंकी में बड़ी दरारों से व्यर्थ बह जाता है. जिसके कारण लोगों को पर्याप्त पानी नहीं मिल पाता. इतना ही नहीं, व्यर्थ बह रहे इस पानी से क्षेत्र की सडक़ प्रतिदिन कीचड़ से सनी रहती है.

यह बोले नागरिक...

बोरिंग की मोटर चलती रहती है और फूटी टंकी से पानी बहता रहता है. टंकी में पानी जरा सा भी नहीं टिकता, थोड़ा बहुत पानी लोगों को मिल जाता है.

- रामलाल चंदेल

बार कंप्लेंट कर चुका हूं. हमेशा दो-चार दिन का कहकर टालते हैं. पानी की किल्लत है. इधर-उधर जाकर लाना पड़ता है.

- जितेंद्र घाउरी

जब से टंकी रखी गई है जिम्मेदार दोबारा पलटकर नहीं आए हैं, फूटी टंकी से पानी बहता रहता है. सडक़ों पर कीचड़ होने से बाइक चालक फिसल जाते हैं.

- कुलदीप चांगरे

जिन्होंने टंकी लगाई थी, उनको कई बार बोला है. मैं दो

जल्द ही नई टंकी में कनेक्शन करवाकर पुरानी टंकी हटवा दूंगा

पानी की किल्लत को खत्म करने के मेरे पूरे प्रयास रहते हैं. कर्मचारियों से कहकर जल्द ही विष्णुधाम कॉलोनी की नई टंकी में कनेक्शन करवाकर पुरानी टंकी हटवा दूंगा.

- पुष्पेंद्र पाटीदार, पार्षद

भागीरथपुरा क्षेत्र में विस्तृत सर्वे कार्य पूर्ण

▶ प्रत्येक घर में ओआरएस के 10 पैकेट, जिंक की 30 टेबलेट वितरित

▶ 450 से अधिक बोरिंग का नगर निगम ने किया क्लोरीनेशन

▶ स्वास्थ्य विभाग द्वारा 24, 786 लोगों को किट वितरण के साथ दिया परामर्श

इंदौर. भागीरथपुरा क्षेत्र में हुई जलजनित घटना के बाद प्रशासन द्वारा किए जा रहे कार्यों से सुधार नजर आने लगा है. मंगलवार को स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने भागीरथपुरा के प्रभावित क्षेत्र में सघन दौरा किया. भारत सरकार के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. चंद्रशेखर गेदाम तथा प्रशासनिक अधिकारियों ने आज कोबो टूल का प्रयोग किया गया. इस टूल के माध्यम से किसी भी स्थिति का रियल टाईम में जानकारी प्राप्त की जाती है.

कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देशानुसार भागीरथपुरा क्षेत्र में 5 एम्बुलेंस लगाई गई हैं. 24×7 चिकित्सकों की ड्यूटी क्षेत्र में लगाई गई है. प्रभावितों को एम. वाय चिकित्सालय, अरविंदों अस्पताल तथा बच्चों को चाचा नेहरु अस्पताल में रेफर किया जा रहा है. जो मरीज निजी चिकित्सालयों में जा रहें हैं, वहाँ पर भी नि:शुल्क उपचार, जाँच एवं औषधि हेतु मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. माधव प्रसाद हासानी द्वारा निर्देशित किया गया है. प्रशासन और नगर निगम द्वारा भागीरथपुरा के प्रभावित क्षेत्रों में नर्मदा तथा बोरिंग पाईप लाईनों के लीकेज आदि का सुधार कार्य करवाया गया. वर्तमान में जिस टंकी से क्षेत्र में पानी का वितरण किया जा रहा है उसे सुपरक्लोरिनेट कर वितरण किया जा रहा है. साथ ही पाईप लाइन की फ्लशिंग का कार्य भी किया जा रहा है. इसके अलावा उपभोक्ताओं के यहां किये जा रहे नर्मदा जलापूर्ति की रेशिड्यूल क्लोरिन भी चेक की जा रही है. प्रशासन द्वारा नगर निगम के सहयोग से प्रभावित क्षेत्रों में टैंकरों के माध्यम से जलापूर्ति सुनिश्चित की जा रही है.

61 टीमों ने किया सर्वे

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ माधव प्रसाद हासानी ने बताया कि आज भागीरथपुरा क्षेत्र में विस्तृत सर्वे कार्य पूर्ण हो गया। सर्वे में लगभग 61 टीमें बनाई गई थी. प्रत्येक टीम ने घरों में कोबो टूल के माध्यम से रियल टाईम सर्वे किया. इसके तहत सर्वे टीम ने भागीरथपुरा क्षेत्र के प्रत्येक घर में ओआरएस के 10 पैकेट एवं जिंक की 30 टेबलेट वितरित की. इसके साथ-साथ ही एक क्लिनवेट ड्राप भी वितरित किए गए. सर्वे टीम द्वारा नागरिकों को क्लिनवेट के उपयोग के बारे में जागरूक किया गया. कि टीमों ने भागीरथपुरा क्षेत्र में घर-घर दौरा किया। इस टीम में नर्सिंग ऑफिसर, सी.एच.ओ., आशा एवं ए.एन.एम. आदि सम्मिलित थे. गत दिवस और आज मंगलवार को टीमों ने कुल 5013 घरों तक पहुँच बनायीं. जिसमें लगभग 24 हजार 786 लोगों को किट वितरण की गई.

सड़क हादसे में इंदौर के पेंटर की मौत, भतीजा गंभीर

▶ तराना टोल टैक्स के पास ट्रक के अचानक ब्रेक लगाने से हुआ हादसा

नवभारत न्यूज

इंदौर. इंदौर से शाजापुर जा रहे बाइक सवार चाचा भतीजा सड़क हादसे का शिकार हो गए. तराना क्षेत्र में टोल टैक्स के पास आगे चल रहे ट्रक के अचानक ब्रेक लगाने से पीछे से जा रही उनकी बाइक ट्रक में जा घुसी. इसमें दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए. दोनों को अस्पताल ले जाया गया, जहां पेंटर की इलाज के दौरान मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल भतीजे का इलाज किया जा रहा है.

इंदौर के कबीटखेड़ी में रहने वाले 41 वर्षीय दिनेश यादव अपने भतीजे अमन के साथ मोटरसाइकिल से शाजापुर जा रहे थे. टोल टैक्स से कुछ दूर पहले ट्रक चालक ने अचानक ब्रेक लगा दिए. तेज रफ्तार होने के कारण वह बाइक पर नियंत्रण नहीं रख सका और वह सीधे ट्रक के पिछले हिस्से से टकरा गया. टक्कर के बाद दोनों सड़क पर जा गिरे. हादसे की सूचना पर मौके पर पहुंची 108 एंबुलेंस से दोनों घायलों को एमवाय अस्पताल इंदौर लाया गया, जहां इलाज के दौरान दिनेश यादव ने दम तोड़ दिया.